THE ECONOMIC TIMES | indiamart PRESENTS #GAMECHANGER BUDGET 2016 | Co-sponsored by airtel business TOMORROW MAKERS | Edelweiss | Associate Sponsors CANARA ROBECO Mutual Fund | SAMSUNG Galaxy Note5 Dual Sim | State Bank of India

ईमेल का आविष्कार करने का श्रेय पाने की लड़ाई लड़ रहे हैं शिवा अय्यादुरै

टाइम्स न्यूज नेटवर्क | Mar 8, 2016, 09.59 AM IST

चिदानंद राजघट्टा, वॉशिंगटन

शिवा अय्यादुरै

बीते वीकेंड पर आखिरी सांस लेने वाले रेमंड टॉमलिनसन को ईमेल का जनक कहा जा रहा है, मगर मैसाच्यूसट्स के कैम्ब्रिज में रहने वाले शिवा अय्यादुरै इससे खफा हैं। शिवा का कहना है कि असल में ईमेल का आविष्कार मैंने किया था।

न्यू यॉर्क में जन्मे टॉमलिनसन को बहुत से लोग ईमेल के जनक और ईमेल अड्रेस में सबसे पहले @ सिंबल इस्तेमाल करने के लिए पहचानते हैं। यहां तक की जीमेल ने भी ट्वीट किया, 'ईमेल का आविष्कार करने और @ इस्तेमाल करने की शुरुआत के लिए शुक्रिया रे टॉमलिनसन।' मगर मुंबई में जन्मे और 7 साल की उम्र में परिवार के साथ अमेरिका जाकर बस गए अय्यादुरै को यह पसंद नहीं आया। उनका कहना है कि मैंने 14 साल की उम्र में ईमेल का आविष्कार किया था। लंबे समय से शिवा अपनी इस पहचान के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं।

टॉमलिनसन की मौत के कुछ घंटों बाद किए गए ट्वीट में अय्यादुरै ने लिखा है, 'मैं छोटी जाति का, गहरे रंग की चमड़ी वाला भारतीय हूं, जिसने ईमेल का आविष्कार किया। रेथियॉन ने यह काम नहीं किया, जो युद्ध, मौतों और झूठ से मुनाफा कमाती है।' शिवा ने यह ट्वीट हथियार बनाने वाली कंपनी रेथियॉन के संदर्भ में किया, जहां पर रे टॉमलिनसन काम करते थे।

शिवा के ट्वीट्स पर आए जवाबी ट्वीट्स में उनका समर्थन भी किया गया। लोगों ने कहा कि सच की जीत होगी और इसमें कोई शक नहीं है। शिवा की पत्नी और ऐक्ट्रेस फ्रान ड्रेशर ने लिखा, 'हर ईमानदार शख्स जानता है कि शिवा अय्यादुरै का इसपर कॉपीराइट है और वह रेसिज़म के शिकार हुए हैं।' अय्यादुरै ने खुद लिखा है, 'आज महाशिवरात्रि है। जड़ता पर सत्य और न्याय की विजय की रात है।'

तो सच क्या है? तथ्य यह है कि शिवा अय्यादुरै ने ईमेल पर या 'कंप्यूटर प्रोग्राम फॉर इलेक्ट्रॉनिग मेल सिस्टम' का पहला US कॉपीराइट 1982 में करवाया था। इस काम के लिए उन्हें कई सम्मान भी मिल चुके हैं। उन्होंने भले ही पहला ईमेल प्रोग्राम या कोड न लिखा हो, कई जगहों पर उन्हें एक ऐसा डिवाइस बनाने के लिए पहचाना जाता है, जो आज के ईमेल सिस्टम के बहुत करीब है।

वह इस बारे में झूठ नहीं बोल रहे और कई सारे सम्मान इसकी पुष्टि करते हैं। मगर उन्हें आधिकारिक रूप से सरकार से या टेक कन्यूनिटी से बड़े पैमाने पर पहचान नहीं मिल पाई है। इंटरव्यू में अय्यादुरै बताते हैं कि 1978 में न्यू जर्सी में 14 साल की उम्र में उन्हें टेक्नॉलजी के लिए कोई ऐक्सेस नहीं था, क्योंकि उन दिनों टेक्नॉलजी मिलिटरी के लिए ही थी। इसलिए उनका काम लोक एरिया नेटवर्क और इथरनेट कॉर्ड पर आधारित था।

अपनी वेबसाइट पर अय्यादुरै कहते हैं, 'टॉमलिनसन ने कंप्यूटर्स के बीच टेक्स्ट मेसेज भेजा था। टेक्स्ट मेसेज ईमेल नहीं है, ईमेल अलग सिस्टम है जिसमें इनबॉक्स, आउटबॉक्स, ड्राफ्ट, फोल्डर, अटैचमेंट, ग्रुप, रिप्लाई और डिलीट जैसे फीचर होते हैं।' अय्यादुरै कहते हैं कि मैंने ऐसा सॉफ्टवेयर सिस्टम बनाया था, जो इंटरऑफिस मेल सिस्टम जैसा था। उन्होंने लिखा है, 'मैंने अपने सॉफ्टवेयर का नाम ईमेल रखा। इस टर्म को पहले कभी इस्तेमाल नहीं किया गया था और मैंने इस सॉफ्टवेयर पर पहला यूएस कॉपीराइट भी करवाया। मैं उस वक्त ऑफिशली ईमेल का जनक बन गया, जब अमेरिका का सुप्रीम कोर्ट सॉफ्टवेयर पेटेंट को स्वीकार नहीं करता था।'

कई प्रभावी लोग भी शिवा के दावे का समर्थन करते हैं, जिनमें फिलॉसफर और ऐक्टिविस्ट नोम चॉम्स्की भी शामिल हैं। अय्यादुरै कहते हैं कि जिन मीडिया आउटलेट्स या अन्य लोगों ने मुझे ईमेल का आविष्कार करने का श्रेय दिया, उन्हें अमेरिका के मिलिटरी-इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स ने खबर हटाने या सफाई देने के लिए मजबूर किया।

अय्यादुरै कहते हैं, 'अमेरिका का डिफेंस प्रतिष्ठान लोगों को यह दिखाना चाहता है कि उनके टैक्स के डॉलर्स से जीपीएस जैसी चीज़ें बनाते हैं। मगर इस तरह के आविष्कार कहीं और होते हैं, जो कम खर्च पर किए गए होते हैं। यही बात मैं साबित करना चाहता हूं।'

Web Title: On Mahashivaratri email pioneer Shiva Ayyadurai prays for recognition

(Hindi News from Navbharat Times , TIL Network)

डाउनलोड करें Hindi News ऐप और रहें हर खबर से अपडेट।